सांध्य दैनिक 4PM

नियम नम्बर 1. कभी पैसा मत गंवाइये। नियम नम्बर 2. कभी नियम नम्बर 1 मत भूलिए।

- वॉरेन बफे

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 207 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 3 सितम्बर, 2024

पैरालंपिक : सुमित का जलवा, लगातार... 7 | झारखंड में नेताओं का दल-बदल... 3 | भेदभाव करने वाली हैं भाजपा... 2

संघ के बयान व मणिपुर में ड्रोन हमले पर घिरी एनडीए सरकार

» कांग्रेस ने पूछे सरकार से कई सवाल

» पीएम मोदी की चुप्पी पर साधा निशाना

» राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ हो रहा खिलवाड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एनडीए सरकार को बने अभी 3 महीने भी नहीं हुए पर विवाद का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। पेपर लीक, भाजपा नेताओं के भड़काऊ बयान, वक्फ संसोधन बिल, बुलडोजर कार्रवाई के विवाद अभी थमे भी नहीं थे कि जातिगत जनगणना पर आरएसएस के बयान और मणिपुर में द्रोण हमले को लेकर सियासत गरमा गई है।

विपक्ष ने खासकर कांग्रेस ने इसको लेकर एनडीए सरकार व भाजपा को घेर लिया है। जहां जाति जनगणना की संघ के समर्थन पर कांग्रेस आग बबूला हो गई है उसने सरकार से भी कई सवाल किए उसने पूछा इजाजत देने वाला आरएसएस कौन है। वहीं उसने कहा कि मणिपुर में उग्रवादियों के पास कैसे पहुंचे ड्रोन बम इस मुद्दे पर केंद्र सरकार की चुप्पी पर भी कांग्रेस ने सवाल उठाए। दरअसल आरएसएस ने कहा है कि जातिगत जनगणना होनी चाहिए, लेकिन इसे सिर्फ राजनीतिक फायदे के लिए नहीं करवाया जाना चाहिए।

भाजपा व आरएसएस पर विपक्ष का सीधा प्रहार

जाति जनगणना के लिए इजाजत देने वाला आरएसएस कौन : जयराम

आरएसएस की टिप्पणी के एक दिन बाद कांग्रेस ने मंगलवार (3 सितंबर) को पूछा कि अब संघ की तरफ हरी झंडी मिल गई है तो क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कांग्रेस की एक और गारंटी को हाइजैक करके जाति जनगणना करवाएंगे? कांग्रेस ने कुल मिलाकर पांच सवाल किए हैं, जिसमें संघ और सरकार दोनों को घेरा गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक पोस्ट के जरिए मोदी सरकार से पांच सवाल पूछे हैं, इन सवालों के जरिए संघ को भी निशाने पर लिया गया है। जयराम ने पूछा, जाति जनगणना को लेकर आरएसएस की उपदेशात्मक बातों से कुछ बुनियादी सवाल उठते हैं, क्या आरएसएस के पास जाति जनगणना पर निषेधाधिकार है? जाति जनगणना के लिए इजाजत देने वाला आरएसएस कौन है? आरएसएस का क्या मतलब है जब वह कहता है कि चुनाव प्रचार के लिए जाति जनगणना का दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए? क्या यह जज या अंपायर बनना है? आरएसएस ने दलितों, आदिवासियों और ओबीसी के लिए आरक्षण पर 50त्न की सीमा को हटाने के लिए संवैधानिक संशोधन की आवश्यकता पर रहस्यमई चुप्पी क्यों साध रखी है?

खरगे ने भी पूछा था आरएसएस से सवाल

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार रात कहा था कि आरएसएस को देश को स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि वह जाति जनगणना के पक्ष में हैं या इसके खिलाफ खरगे ने कहा कि देश के संविधान के बजाय मनुस्मृति के पक्ष में होने वाले संघ परिवार को क्या दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग एवं गरीब-वंचित समाज की भागीदारी की चिंता है या नहीं?

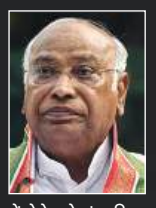

ड्रोन के इस्तेमाल पर चुप क्यों सरकार : इबोबी सिंह

कांग्रेस ने आश्चर्य जताया कि केंद्र सरकार मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले के एक गांव में हुए उग्रवादी हमलों में ड्रोन के इस्तेमाल पर चुप क्यों है, जिसमें दो लोग मारे गए और नौ अन्य घायल हो गए। कांग्रेस विधायक दल के नेता ओ इबोबी सिंह ने कहा कि अगर ड्रोन की मदद से बम गिराए जाते हैं तो यह राष्ट्रीय सुरक्षा का सवाल है क्योंकि राजभवन और मुख्यमंत्री आवास सुरक्षित नहीं रहेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री सिंह ने आरोप लगाया कि राज्य की भाजपा सरकार लोगों के जीवन की रक्षा करने में विफल रही है।

राहुल-खरगे से मिले हेमंत सोरेन

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन दिल्ली में हैं। आज उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की। मुलाकात के बाद हेमंत सोरेन ने कहा कि मैं काफी समय से उनसे मिलने की योजना बना रहा था। यह एक शिष्टाचार मुलाकात थी। उन्होंने आगे कहा कि अब हम झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा करेंगे। बाकी सब ठीक है। हम पूरी ताकत से सरकार चलाएंगे और आगे भी चुनाव जीतेंगे।

तटरक्षक बल के हेलीकॉप्टर की अरब सागर में आपात लैंडिंग

» क्रू के एक सदस्य को बचाया गया, तीन लापता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल के एक हेलीकॉप्टर की अरब सागर में आपात लैंडिंग करानी पड़ी है। इस घटना में हेलीकॉप्टर पर सवार चार लोगों में तीन लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश जारी है। वहीं क्रू के एक सदस्य को बचा लिया गया है। भारतीय तटरक्षक बल ने एक बयान जारी कर बताया कि उनके उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) को सोमवार रात करीब 11 बजे भारतीय ध्वज वाले मोटर टैंकर हरि लीला पर सवार चालक दल के गंभीर रूप से घायल सदस्य को मदद देने के लिए समुद्र में उतारा गया था।

यह कार्रवाई गुजरात के पोरबंदर तट से करीब 45 किलोमीटर दूर की गई। तटरक्षक बल ने बताया कि मोटर टैंकर हरि लीला के मालिक के अनुरोध पर यह कार्रवाई की गई थी। तटरक्षक बल के दल में चार लोग सवार थे। कथित तौर पर अभियान के दौरान हेलीकॉप्टर को अरब सागर में ही आपात लैंडिंग करनी पड़ी।

बचाव अभियान में तटरक्षक बल ने लगाए चार जहाज और दो विमान

हेलीकॉप्टर की समुद्र में आपात लैंडिंग की वजह का अभी पता नहीं चल सका है। हेलीकॉप्टर जब मोटर टैंकर के पास पहुंचने ही वाला था, उसी वक्त किन्हीं कारणों से हेलीकॉप्टर को समुद्र में उतारना पड़ा। तटरक्षक बल ने हादसे का शिकार हुए हेलीकॉप्टर के लापता जवानों की खोज के लिए चार जहाज और दो विमानों को बचाव अभियान में लगाया है।

ममता सरकार लाई बलात्कार विरोधी विधेयक 'अपराजिता'

» दोषी पाए जाने पर आरोपी को 10 दिन में फांसी का प्रावधान

» पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। बंगाल विधानसभा में यानी मंगलवार को दुष्कर्म विरोधी विधेयक पेश कर दिया गया है। वह वहां पारित भी हो गया। इस विधेयक में दुष्कर्म और पीड़िता की मौत के दोषी व्यक्ति को फांसी की सजा देने का प्रावधान किया गया है। साथ ही इसमें दुष्कर्म और सामूहिक दुष्कर्म के दोषी को बिना जमानत के आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान भी किया गया है।

बंगाल सरकार के इस विधेयक अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधेयक 2024 का उद्देश्य दुष्कर्म और यौन अपराधों से संबंधित नए प्रावधानों को संशोधित करके महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षा को मजबूत करना है।

बीजेपी ने भी विधेयक का किया समर्थन

सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी इस बिल का समर्थन कर सकती है। पश्चिम बंगाल कैबिनेट ने 28 अगस्त को बलात्कार को रोकने और ऐसे अपराधों के लिए कड़ी सजा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक नया विधेयक पेश करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

तत्काल प्रभाव से लागू हो कानून : शुभेंदु अधिकारी

नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा, हम चाहते हैं कि यह कानून तत्काल प्रभाव से लागू हो। इसे लागू करवाना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। हमें परिणाम चाहिए, यह सरकार की जिम्मेदारी है, हम आपका पूरा समर्थन करते हैं।

भेदभाव करने वाली हैं भाजपा सरकार की नीतियां : अखिलेश यादव

» बोले- हर वर्ग आक्रोशित जनता देगी जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख आखिलेश यादव का भाजपा सरकार पर हमला जारी है। लोक सभा चुनाव में बीजेपी को बैकफुट पर लाने के बाद पूर्व सीएम उत्साहित हैं। अब उनका पूरा फोकस उपचुनाव व यूपी में आगामी 2027 में होने वाले चुनाव पर है। उन्होंने केंद्र व यूपी बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा लोगों के बीच में आक्रोश है और वह भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकना चाहती है। सपा मुखिया ने कहा कि सरकार नौजवानों, किसानों, कर्मचारियों का शोषण कर रही है।

सोमवार को अखिलेश ने बयान जारी कर कहा कि हाईकोर्ट के फैसले के बाद भाजपा 69 हजार शिक्षक भर्ती के पीडीए अभ्यर्थियों को उनका हक नहीं दे रही है। भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि सरकार की भेदभावपूर्ण और गलत नीतियों से हर वर्ग आक्रोशित है। भाजपा की नीति पीडीए विरोधी है। वर्षों की लड़ाई के बाद शिक्षक अभ्यर्थियों को हाईकोर्ट से न्याय मिला लेकिन सरकार उनका हक नहीं देना चाहती है। शिक्षक अभ्यर्थियों की झूठी दिलासा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है। इसका रवैया तानाशाही पूर्ण है। वहीं कई मामलों में सपा को अपराध के लिए दोषी बताने पर सपा मुखिया ने कहा कि वह झूठ बोलकर सपा को बदनाम करना चाहती है।

सपा प्रमुख पर भड़के गिरिराज सिंह

केंद्रीय मंत्री सह बेगूसराय के सांसद गिरिराज सिंह ने अखिलेश यादव पर अब तक का सबसे बड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा कि यह लोग वोट के सौदागर हैं, जो मुस्लिम वोट के लिए देश को भी बेच देंगे। उत्तर प्रदेश में एक सपा नेता नाबालिग से दुष्कर्म मामले में फंसा है, जिसका बचाव करने का आरोप अखिलेश यादव पर लग रहा है। भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने कहा कि अखिलेश यादव मीठा-मीठा गप-गप और तीखा-तीखा थू-थू करने वाले लोग हैं। भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश के अयोध्या में एक नाबालिग लड़की का मुस्लिम युवक द्वारा दुष्कर्म किए जाने के मामले में अखिलेश यादव समर्थन में उतर जाते हैं, क्योंकि इन्हें मुसलमानों का वोट लेना है। उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई बलात्कारी (दुष्कर्मी) होगा तो उसके संबंध में कहेंगे कि उसको जानबूझकर फंसाया जा रहा है। ये लोग मुस्लिम वोट के लिए देश को बेच लेने वाले लोग हैं।

अपराधी की सजा उसके परिवार को नहीं मिलनी चाहिए : मायावती

» बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद बसपा प्रमुख की प्रतिक्रिया

लखनऊ। बुलडोजर न्याय एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने बड़ा बयान दिया है। मायावती ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि बुलडोजर का भी इस्तेमाल अब सुप्रीम कोर्ट के आने वाले फैसले के मुताबिक ही होना चाहिए। हालांकि उचित तो यही होगा कि इसका इस्तेमाल करने की जरूरत ही ना पड़े। मायावती ने पोस्ट किया कि देश में आपराधिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई कानून के तहत होनी चाहिए तथा इनके अपराध की सजा उनके परिवार और नजदीकी लोगों को नहीं मिलनी चाहिए। यह सब हमारी पार्टी की रही सरकार ने कानून द्वारा कानून का राज' स्थापित करके भी दिखाया है। मायावती ने लिखा कि जबकि आपराधिक तत्वों के परिवार व नजदीकियों पर बुलडोजर का इस्तेमाल करने की बजाय संबंधित अधिकारियों पर ही कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, जो ऐसे तत्वों से मिलकर, पीडितों को सही न्याय नहीं देते हैं। सभी सरकारें इस ओर जरूर ध्यान दें। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अपराधों के आरोपियों के घरों या संपत्तियों को ध्वस्त करने की बढ़ती प्रवृत्ति की आलोचना की थी। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए बुलडोजर न्यायका मामला बताया था। कोर्ट ने घोषणा की है कि इस मुद्दे के समाधान के लिए वह दिशा-निर्देश जारी करेगा।

भाजपा विधायक ने अपनी ही सरकार पर उठाए सवाल

» जब एमएलए ही नहीं सुरक्षित तो जनता कहां : सुरेश्वर सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बहराइच। बहराइच के भाजपा विधायक सुरेश्वर सिंह ने अपने गनर से अपनी जान का खतरा बताया है। उन्होंने इसकी शिकायत हरदी थाना क्षेत्र में की जिस पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। महसी से भाजपा विधायक सुरेश्वर सिंह ने कहा कि सिपाही आनंद राय और होमगार्ड अबुल खान उनकी हत्या की साजिश रच रहे हैं और कभी भी उनकी गोली मारकर हत्या की जा सकती है।

विधायक की तहरीर पर थाना हरदी में 350 व 351(3) की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। तहरीर में विधायक ने कहा है कि मेरे गनर के रूप में नियुक्त आनंद राय ने 28 अगस्त को हरदी थाना परिसर में मेरे खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया था और गाली मारने की धमकी दी थी। वहां पर मौजूद अबुल खान भी उसकी हां में हां मिला रहा था। उन्होंने कहा कि यदि थाने में ही विधायक की हत्या की साजिश रची जाएगी तो जनता कहां सुरक्षित रहेगी। उनकी तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

भाजपा ने सरकार में रहते बांटीं मुफ्त की रेवड़ियां : सीएम सुक्खू

» बोले- पूर्व सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन को ठीक करने में समय लग रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि नारेबाजी करने वाले विपक्ष ने सरकार में रहते हुए मुफ्त की रेवड़ियां बांटीं। पूर्व सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन को ठीक करने में समय लग रहा है। छह माह में और फैसले लिए जाएंगे। पहली सितंबर से एक रुपये की विभिन्न श्रेणी के उपभोक्ताओं को मिलने वाली बिजली सब्सिडी सरकार ने बंद कर दी है।

125 यूनिट तक निशुल्क बिजली अभी मिलती रहेगी। एक परिवार-एक बिजली मीटर योजना को भी सरकार ला रही है। इसके तहत एक परिवार के नाम पर एक ही बिजली मीटर लगेगा। विधायक केवल सिंह पठानिया ने प्रश्नकाल में आयकरदाताओं की सब्सिडी बंद करने के फैसले को सराहा। उन्होंने कहा कि हजारों संस्थान खोलने, बिजली-पानी मुफ्त देने के बाद भी प्रदेश की जनता ने भाजपा को नहीं जिताया। बिना बजट प्रावधान की योजनाओं को जनता भी पसंद नहीं करती है। पठानिया ने पूछा कि बिजली सब्सिडी बंद करने से सरकार को कितना लाभ होगा। जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि नवंबर 2022 में विधानसभा चुनाव थे। भाजपा सरकार ने अप्रैल 2022 में निशुल्क बिजली देने की घोषणा की। पानी के बिल भी छह माह पहले माफ कर दिए। 11 दिसंबर 2022 को जनता ने भाजपा को जवाब दिया कि मुफ्त नहीं, गुणवत्ता चाहिए। पूर्व सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन के चलते ही कांग्रेस सरकार स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, पानी और खाद्य के क्षेत्र में गुणवत्ता नहीं दे पा रही है। वर्तमान सरकार ने जब पाया कि हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाना है तो पाया कि इसके लिए सभी वर्गों का साथ चाहिए।

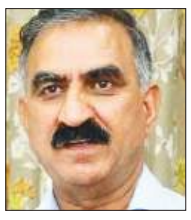

मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना छलावा : अर्जुन मुंडा

» बीजेपी का सोरेन सरकार पर वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने झारखंड सरकार की हाल ही में शुरू की गई मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना को राज्य की महिलाओं के साथ विधानसभा चुनाव से पहले किया गया छलावा करार दिया। मुंडा ने कहा कि सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने 2019 के विधानसभा चुनाव से पहले अपने घोषणापत्र में इस योजना का वादा किया था और अगर वह इसके प्रति ईमानदार हैं तो उसे पूरे कार्यकाल की राशि एक ही किस्त में देनी चाहिए।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मुंडा ने कहा कि सरकार को एक किस्त में 60,000 रुपये भेजने चाहिए नहीं तो भाजपा अपने वादे से पीछे हटने के लिए राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार दिसंबर 2019 में बनी थी और अगर सरकार ईमानदार है, तो उसे माताओं और बहनों से किए गए वादे के अनुसार जनवरी 2020 से अब तक की देय राशि का एक किस्त में भुगतान करना चाहिए और उनके बैंक खातों में 60,000 रुपये जमा कराने चाहिए। मुंडा ने सवाल उठाते हुए कहा, "इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले ही झारखंड सरकार ने यह योजना क्यों शुरू की?" उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा साफ नहीं है और जुलाई-अगस्त में शुरू की गई योजना का उद्देश्य विधानसभा चुनावों में सियासी फायदा हासिल करना है।

एक भी वादा पूरा नहीं कर पाई है झामुमो सरकार

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि झारखंड सरकार ने 2019 के विधानसभा चुनाव से पहले किए गए वादों में से एक भी वादे को पूरा नहीं किया, चाहे वह युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देना हो या किसानों से फसल खरीदना हो। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के भाजपा में शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर मुंडा ने कहा कि उनके अनुभव से संगठन को और मजबूती मिलेगी तथा पार्टी कार्यकर्ता इस घटनाक्रम से उत्साहित हैं।

खेल में तमिलनाडु को आगे बढ़ा रहे उदयनिधि : स्टालिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 31 अगस्त को चेन्नई में दक्षिण एशिया की पहली 'फॉर्मूला-4 नाइट स्ट्रीट कार रेस' के सफल आयोजन के लिए राज्य के युवा कल्याण एवं खेल विकास मंत्री उदयनिधि स्टालिन की तारीफ की। मुख्यमंत्री ने "भारत की खेल राजधानी के तौर पर तमिलनाडु की विरासत को और मजबूत करने की दिशा में लगातार प्रयास करते रहने का आह्वान किया।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "फॉर्मूला-4 चेन्नई को शानदार सफलता दिलाने के लिए उदयनिधि और पूरी खेल टीम को बहुत-बहुत बधाई। स्टालिन ने कहा, "शतरंज ओलंपियाड, चेन्नई ओपन 2023, एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023, तमिलनाडु इंटरनेशनल सर्फ ओपन 2023, स्क्वैश वर्ल्ड कप 2023 और खेलो इंडिया में जीत के बाद तमिलनाडु खेल क्षेत्र में एक नया आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व स्तरीय सुविधाओं और रणनीतिक निवेशों के साथ राज्य न केवल आयोजनों की मेजबानी कर रहा है, बल्कि भारतीय खेलों के भविष्य का नेतृत्व भी कर रहा है।

झारखंड में नेताओं का दल-बदल प्रस्थान शुरू

चंपई के भाजपा में शामिल होने के बाद चर्चा

» विपक्ष ने भी बीजेपी को बताया तिकड़मी

» पूर्व सीएम के शामिल होने से मचेगी राज्य राज

» बीजेपी को मिल सकता है फायदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में चुनावों में अभी समय है पर वहां पर चुनावी चौसर बिछने लगी है। नेताओं का सियासी दलबदल शुरू हो गया है। वहां के तीन दिग्गज नेता पूर्व चंपई सारेन, मधु कोडा व लोबिन हैम्ब्रम भाजपा में आ गए। अब इन तीनों के आने से भाजपा को कितना लाभ मिलेगा यह तो चुनावों के बाद ही पता चलेगा। हालांकि इन सबके पार्टी में शामिल होने पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा वे भाजपा की संपत्ति है। ये बात सही है कि चुनावी मौसम में किसी भी दल में नेताओं का आना-जाना लगा रहता है। लेकिन चंपई सोरेन जैसे नेताओं पर अगर भाजपा ने दांव लगाया है तो जाहिर सी बात है कि उसे कुछ ना कुछ फायदे की उम्मीद जरूर होगी।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन हाल ही में भाजपा में शामिल हुए थे। झारखंड में भाजपा के चुनाव प्रभारी केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और सह प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में उन्होंने भाजपा में एंट्री ली है। लेकिन चंपई सोरेन जैसे नेताओं पर अगर भाजपा ने दांव लगाया है तो जाहिर सी बात है कि उसे कुछ ना कुछ फायदे की उम्मीद जरूर होगी। हालांकि, ऐसा नहीं है कि चंपई सोरेन के आने से भाजपा को सिर्फ फायदा ही होगा। कुछ नुकसान के भी संकेत मिल रहे हैं। जहां आदिवासी क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने में भाजपा को मदद मिलेगी। वहीं पार्टी के भीतर गुटबाजी बढ़ाने के भी आशंका दिखाई देती है। हाल के वर्षों में झारखंड में भाजपा कमजोर हुई है। 2024 के आम चुनावों में भी हमने देखा कि पार्टी अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित सभी पांच लोकसभा सीटें हार गई। 2019 का झारखंड विधानसभा चुनाव भी इसी तरह निराशाजनक रहा, जिसमें भाजपा ने 28 आरक्षित सीटों में से केवल दो पर जीत हासिल की। हेमंत की अनुपस्थिति में, चंपई के नेतृत्व में, इंडिया ब्लॉक ने झारखंड में 2024 के लोकसभा चुनावों में 14 लोकसभा सीटों में से पांच सीटें हासिल कीं, जो 2019 की तुलना में तीन अधिक हैं। जेएमएम, राजद, सीपीआई-एमएल और कांग्रेस वाले इंडिया ब्लॉक ने सभी पांच एसटी सीटें जीतीं।

चंपई के आने से बीजेपी की बढ़ सकती है मुश्किलें

चंपई सोरेन का भाजपा में शामिल होना एक दोधारी तलवार प्रतीत होता है और महत्वपूर्ण चुनावों से पहले पार्टी नेतृत्व के लिए सिरदर्द बन सकता है। एक ओर, यह झारखंड की आदिवासी आबादी के बीच अपनी अपील को मजबूत करके और झारखंड के आदिवासी-भारी इलाकों में संभावित रूप से अपनी चुनावी संभावनाओं को बढ़ाकर भाजपा को एक रणनीतिक लाभ प्रदान करता है। भाजपा के लिए पार्टी के भीतर बहुत बड़ी समस्या होने वाली है। अब झारखंड में भाजपा चार पूर्व मुख्यमंत्रियों, चंपई सोरेन, बाबूलाल मरांडी, मधु कोड़ा और अर्जुन मुंडा के साथ बढ़ती जा रही है, जिससे शीर्ष पद के लिए उम्मीदवारों की संख्या बढ़ गई है। एक पार्टी के लिए कई सत्ता केंद्र अच्छे संकेत नहीं हैं, जिसके लिए लोकसभा चुनाव में सीटों में गिरावट के बाद विधानसभा चुनाव महत्वपूर्ण हैं। पार्टी में गुटबाजी भी बढ़ सकती है।

81 सीटों में से 28 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित

विधानसभा की 81 सीटों में से 28 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। और एसटी की लगभग 20 सीटें दक्षिणी और पूर्वी आदिवासी इलाकों में हैं। कोल्हान की जमीनी स्तर की राजनीति में एक प्रमुख व्यक्ति चंपई सोरेन के आगामी विधानसभा चुनाव में महत्वपूर्ण प्रभाव डालने की उम्मीद है। पांच साल पहले भाजपा की रघुबर दास सरकार को हेमंत सोरेन की जेएमएम और उसके सहयोगियों के हाथों चुनावी हार का सामना करना पड़ा था।

भाजपा ने खेला आदिवासी कार्ड

चंपई का भाजपा में जाना झामुमो पर आदिवासियों का अपमान करने के भाजपा के आरोपों से मेल खाता है। अप्रैल में, हेमंत सोरेन के नेतृत्व के प्रति लंबे समय से चली आ रही नाराजगी के कारण झामुमो के संरक्षक शिबू सोरेन की बड़ी बहू सीता सोरेन के भाजपा में शामिल होने को भी चुनावी वर्ष में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए भाजपा द्वारा एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा गया था। चंपई सोरेन पहले ही पूर्वोत्तर संथाल बेल्ट, एक अन्य आदिवासी बेल्ट और सोरेन परिवार के गढ़ में बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर बड़ी आवाज उठा चुके हैं। भाजपा भी यही बात उठाती रही है।

चुनाव आते ही जुबां पर आए धार्मिक दांव

कांग्रेस व इंडिया गठबंधन जातिगत जनगणना पर अड़ी

» भाजपा ने शुरू किया धर्म के नाम पर सियासत

» आने वाले विस चुनाव पर सबकी नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आते है तो जनता से जुड़े मुद्दे किनारे हट जाते हैं धर्म और जाति के मुद्दे नेताओं की जुबान पर चढ़ जाते हैं। अभी हाल कह में संपन्न हुई लोकसभा चुनाव में सत्ता में बैठी बीजेपी ने चुनाव प्रचार के दौरान हिंदू-मुसलमान के नाम पर खूब बांटे पर उसे मात्र 240 ही सीटें मिली और उसे बहुमत से दूर रहना पड़ा। हालांकि सरकार ने जदयू व टीडीपी के की वैशाखी के सहारे सरकार बना लिया। अब एकबार फिर धर्म के नाम पर सियासत होने लगी है।

दरअसल जहां हरियाणा व जम्मू-कश्मीर में चुनावों की घोषणा हो चुकी है वहीं दिल्ली, झारखंड, महाराष्ट्र व बिहार में चुनाव एक साल के अंदर होने की संभावना है। ऐसे बीजेपी कांग्रेस व इंडिया गइबंधन के जातिगत जनगणना की मांग की काट के लिए धर्म व हिंदू व मुसलमान के मुद्दे को हवा देने में लगी है। इसी के तहत जहां असम के सीएम मिया मुसलामानों विवादित बयान देते हैं तो यूपी के सीएम योगी बंटेंगे तो कटेंगे जैसे बयान देकर ध्रुवीकरण करने की कोशिश में लगी हुई है। उधर बीजेपी बांग्लादेश में हिंदू के साथ हो रहे भेदभाव पर भारत के विपक्ष द्वारा कम बोले जाने पर भी सवाल उठाए हैं। वही महाराष्ट्र में औरंगजेब, नादिरशाह व राजस्थान में अकबर के नाम का इस्तेमाल भी हो रही है। हम आपको बता दें कि मदन दिलावर इससे पहले भी अकबर को बलात्कारी और दुराचारी सम्राट बता चुके हैं। वैसे इतिहास गवाह है कि महाराणा प्रताप मेवाड़ के महान राजपूत राजा थे जो मुगल साम्राज्य के खिलाफ बहादुरी और प्रतिरोध के लिए प्रसिद्ध रहे।

औरंगजेब और अफजल के बाद अकबर पर भी सियासत

महाराष्ट्र में राजनेताओं की ओर से की जा रही बयानबाजी के दौरान औरंगजेब और अफजल खान का नाम आजकल खूब सुना जा रहा है तो दूसरी ओर राजस्थान में अकबर को लेकर विवाद हो रहा है। हम आपको बता दें कि राजस्थान के शिक्षा मंत्री और अक्सर अपने बयानों से सुर्खियों में रहने वाले मदन दिलावर ने ऐलान कर दिया है कि मुगल बादशाह अकबर का महिमामंडन करने वाली और उन्हें महान बताने वाली किताबों को जला दिया जाएगा। राजस्थान के शिक्षा मंत्री ने उदयपुर में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभागार में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। मंत्री ने कहा कि अकबर की तुलना महाराणा प्रताप से करना राजपूत योद्धा और राजस्थान के गौरव का अपमान है। मदन दिलावर ने महाराणा प्रताप को लोगों का रक्षक बताया जिन्होंने कभी आक्रांताओं के सामने झुकना स्वीकार नहीं किया जबकि अकबर ने अपने फायदे के लिए कई लोगों को मरवाया। उन्होंने कहा, अकबर की तुलना महाराणा प्रताप से करना व अकबर को महान बताना, ये मूर्खता थी। ये मेवाड़, राजस्थान, मामाशाह और आन बान शान के प्रतीक महाराणा प्रताप का अपमान है। मदन दिलावर ने कहा, हमने सब किताबें देख ली हैं। हमें अब तक (अकबर का महान के रूप में उल्लेख) नहीं (मिला) है। उन्होंने कहा कि हम उन किताबों को जला देंगे।

महाराष्ट्र की राजनीति में भी आया धर्म

जहां तक महाराष्ट्र की राजनीति की बात है तो आपको बता दें कि राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने प्रतिद्वंद्वी और पूर्ववर्ती उद्धव ठाकरे पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर औरंगजेब तथा अफजल खान के कार्यों का अनुकरण करने तथा छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाया है।

उल्लेखनीय है कि मुगल सम्राट औरंगजेब और शिवाजी के बीच प्रतिद्वंद्विता थी और औरंगजेब ने धोखे से उन्हें कैद कर लिया था। औरंगजेब ने शिवाजी के पुत्र और उत्तराधिकारी छत्रपति संभाजी की हत्या भी कर दी थी। वहीं बीजापुर के सेनापति अफजल खान को मराठा सम्राट छत्रपति शिवाजी ने मार गिराया था।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों को दिखाया आईना

अपराध करने वालों के ऊपर कार्रवाई करना ठीक है अपराधी के परिजनों पर बुलडोजर चलाना संबंधित व्यक्ति के स्वतंत्रता का हनन है। सरकारों समझना चाहिए कि कोई भी अपना मकान बहुत सालों की कड़ी मेहनत के बाद खड़ा कर पाता है ऐसे उसके पुत्र या पुत्री की गल्ती की सजा में उसके मकान को तोड़ दिया जाए तो उस व्यक्ति का सरकार व अदालत से भारोसा उठ जाएगा जो ठीक नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई मामले में सरकारों को आईना दिखाया है। शीर्ष अदालत ने अपनी सख्त टिप्पणी में कहा है बेटे द्वारा की गई गलती की सजा पिता को देना कतई अनुचित है। हालांकि कोर्ट ने इसके लिए एक दिशा निर्देश तैयार करने की बात कही है। कोर्ट ने कहा है कि बिना नोटिस दिए मकान को ध्वस्तीकरण करना भी ठीकनही है। कुल मिलाकर यह एक उम्दा फैसला है। अपराध करने वालों के ऊपर कार्रवाई करना ठीक है अपराधी के परिजनों पर बुलडोजर चलाना संबंधित व्यक्ति के स्वतंत्रता का हनन है। सरकारों समझना चाहिए कि कोई भी अपना मकान बहुत सालों की कड़ी मेहनत के बाद खड़ा कर पाता है ऐसे उसके पुत्र या पुत्री की गल्ती की सजा में उसके मकान को तोड़ दिया जाए तो उस व्यक्ति का सरकार व अदालत से भारोसा उठ जाएगा जो ठीक नहीं है। उधर विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा किए जा रहे बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त नाराजगी जाहिर की है। एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि क्या कोई किसी का भी घर सिर्फ इसलिए तबाह कर सकता है, क्योंकि वह आरोपी है? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कोई आरोपी दोषी भी पाया जाता है तो उसका घर बिना तय कानून के तबाह नहीं किया जा सकता।

जस्टिस बीआर गवई ने मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, सिर्फ इसलिए घर कैसे गिराया जा सकता है कि वह आरोपी है? अगर वह दोषी है तो भी घर नहीं गिराया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन को बताने के बाद भी.हमें रवैये में कोई बदलाव नहीं दिख रहा। याचिका पर सुनवाई कर रही पीठ में शामिल जस्टिस केवी विश्वनाथन ने कहा कि %किसी को भी कमियों का फायदा नहीं उठाना चाहिए। पिता का बेटा अडियल या आज्ञा न मानने वाला हो सकता है, लेकिन अगर इस आधार पर घर गिराया जाता है, तो यह तरीका नहीं है । सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि कानून का उल्लंघन होने पर घरों को गिराया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम तभी कार्रवाई करते हैं जब कानून का उल्लंघन होता है। इसके जवाब में पीठ ने कहा, लेकिन शिकायतों को देखते हुए, हमें लगता है कि उल्लंघन हुआ है। न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने पूरे राज्य में अनधिकृत इमारतों को ध्वस्त करने के लिए एक दिशानिर्देश की आवश्यकता पर भी गौर किया। न्यायमूर्ति गवई ने कहा, %सुझाव आने दीजिए। हम अखिल भारतीय स्तर पर दिशानिर्देश जारी करेंगेसुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह किसी भी अवैध निर्माण को संरक्षण नहीं देगा। हम पूरे देश के लिए दिशा-निर्देश निर्धारित करने पर विचार कर रहे हैं। मामले की सुनवाई 17 सितंबर को तय की गई। दरअसल, बुलडोजर एक्शन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की गई थी। इन्हीं याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणी की।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अराजक राजनीति से अपराध के दलदल में भद्रलोक

उमेश चतुर्वेदी

बंकिम चंद्र की शस्य-श्यामला माटी वाला पश्चिम बंगाल एक शक्ति-पूजक समाज है। शरद ऋतु के स्वागत के साथ बंगाल की धरती हर साल मां दुर्गा के स्वागत में विभोर हो जाती है। बंगाल में महिलाओं का सम्मान किस प्रकार की परंपरा का हिस्सा रहा है, इसे समझने के लिए दुर्गा पूजा के विधान को समझना चाहिए। मूर्तियों को बनाने के लिए सबसे पहले उन वेश्याओं के घर से मिट्टी लाई जाती है, जिन्हें समाज आम तौर पर त्याज्य और गंदा मानता है। इस प्रकार बंगाल की धरती कितनी नारी-पूजक रही है, यह स्वाधीनता संग्राम के इतिहास में भी देखने को मिलता है, जो अन्य राज्यों में कम ही मिलता है। स्वाधीनता संग्राम में जिन तीन महिलाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई और अपने ज्ञान व संघर्ष से भारत को आलोकित किया, वे तीनों बंगाल की बेटियां थीं।

पहली थीं अरुणा गांगुली, जिन्होंने बाद में अरुणा आसफ अली का नाम अपनाया। दूसरी थीं सुचेता मजूमदार, जो सुचेता कृपलानी के नाम से प्रसिद्ध हुईं। तीसरी थीं सरोजिनी चट्टोपाध्याय, जिन्होंने बाद में भारत कोकिला सरोजिनी नायडू का नाम पाया। बंगाल की माटी ने महिलाओं को कितना सम्मान दिया, इसका एक और उदाहरण कमला देवी चट्टोपाध्याय हैं। जब भारत के अन्य इलाकों की महिलाएं घूंघट के पीछे सिर्फ परिवार के काम में व्यस्त थीं, तब बंगाल ने अपनी बेटियों को वाजिब सम्मान और अवसर दिए। बंगाल में कभी महिलाओं के साथ बदसलूकी की कल्पना तक नहीं की जाती थी। अब स्थिति बदल गई है। इसका एक उदाहरण हाल ही में राधागोविंद कर अस्पताल में हुई घटना है। स्वतंत्रता की 77वीं सालगिरह की रात, जब पूरा देश उत्सव में था, कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर की बर्बरतापूर्वक बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई। बंगाल में देर रात तक दफ्तर से लौटने वाली लड़कियों की कभी चिंता नहीं होती थी, लेकिन अब लोग अपनी बच्चियों के लिए चिंतित हो गए हैं। यह बंगाल में महिला के खिलाफ ऐसी बर्बरता की शायद पहली घटना है। इससे बंगाली समाज का क्रोध और क्षोभ स्वाभाविक है।

दिलचस्प यह है कि पश्चिम बंगाल इकलौता ऐसा राज्य है, जिसे महिला मुख्यमंत्री का गौरव प्राप्त है। एक महिला के शासन में इस प्रकार का दुराचार लोगों के लिए असहनीय है। इसलिए बंगाल इन दिनों बहुत उबाल पर है। बंगाल का बौद्धिक समाज सड़कों पर उतर आया

है। पश्चिम बंगाल में हाल ही में संदेशखाली से महिलाओं के बलात्कार की खबरें आई थीं। वहां की घटनाओं की परतें खुलने पर पता चला कि बलात्कार की घटनाएं अपराध और राजनीति के नापाक गठजोड़ का नतीजा थीं। संदेशखाली की पीड़िताओं की खबरें भले ही उबाल ला पाईं, लेकिन आरजी कर अस्पताल की घटना ने कहीं अधिक ध्यान खींचा। इसका कारण यह हो सकता है कि संदेशखाली की पीड़िताएं ग्रामीण इलाकों से थीं, जबकि आरजी कर की घटना कोलकाता शहर में हुई, जिसे भद्रलोक समाज के लिए जाना जाता है। पश्चिम बंगाल की कड़वी सच्चाई बांग्लादेश से हो रही अवैध घुसपैठ है। 34 वर्षों के वामपंथी शासन के दौरान इस घुसपैठ को वैधता मिली। वामपंथी शासन व्यवस्था के दौरान पार्टी कैडर के नाम पर बड़े झुंड उभरे। पश्चिम बंगाल के वासी इस संस्थागत व्यवस्था से इतने परेशान हो गए कि उन्हें ममता बनर्जी में नई उम्मीद दिखी। बंगाली समाज को लगा कि ममता एक नई बयार बनकर पश्चिम बंगाल की व्यवस्था में जमी काई को साफ करेंगी। लेकिन अफसोस, ऐसा नहीं हुआ। ममता भी उसी दिशा में चल पड़ीं, जिस दिशा में वामपंथी कैडर चलते थे। प्रशासन लगातार या तो पंगु होता गया या फिर सत्ताधारी तंत्र का चारण बनता गया। प्रशासन का यह चारण रूप 16 अगस्त को भी दिखा, जब आरजी कर की पीड़िता की रिपोर्ट साढ़े ग्यारह बजे रात को दर्ज की गई, जबकि बलात्कार और हत्या पंद्रह अगस्त की रात दो से ढाई बजे के बीच हो चुकी थी। इसे सुप्रीम कोर्ट ने भी नोटिस किया और कोलकाता पुलिस को फटकार भी लगाई। ममता की अगुआई में कोलकाता में बलात्कार और हत्या के विरोध में धरना दिया गया।

यह धरना ऐसा था, जो सरकार के खिलाफ सरकार द्वारा ही दिया गया था। ऐसा किसी भी लोकतांत्रिक समाज में कम से कम अब तक नहीं देखा गया है। ममता ने प्रशासन में कोई गुणात्मक बदलाव नहीं किया, बल्कि वामपंथ जैसी कैडर व्यवस्था को अपना लिया। इससे राज्य में अपराध बढ़ा और पुलिस का इकबाल कम हुआ। पुलिस की लाचारगी आरजी कर बलात्कार में भी नजर आई। बंगाल के बारे में कहा जाता रहा है कि 'बंगाल जो आज सोचता है, वैसी सोच भविष्य में अन्य राज्यों की होती है।' इस उम्मीद को कायम रखते हुए भद्रलोक समाज को चाहिए कि वह इस दिशा में भी सोचे। उसका गुस्सा एक ऐसे बंगाल की रचना करे, जहां रवींद्र संगीत गूंजता रहे, बंकिम के गीत गाए जाएं और नारियां स्वतंत्र रूप से काम कर सकें।

पेंशन की भांति किसान को सुनिश्चित कीमत क्यों नहीं

देविंदर शर्मा

इसे 'पेंशन सुधार' बताया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) सरकारी कर्मचारियों के लिए सम्मान और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करती है। उन्होंने कहा 'हमें उन सभी सरकारी कर्मचारियों की कड़ी मेहनत पर गर्व है जो राष्ट्रीय प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।' वास्तव में, यूपीएस, जो प्राप्त अंतिम वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर पेंशन का आश्वासन देता है - स्वीकारोक्ति है कि पहले वाली और बाजार नीत महंगाई से जुड़ी न्यू पेंशन स्कीम (एनपीएस) सरकारी कर्मचारियों के लिए कारगर नहीं रही। सरकारी कर्मचारियों के लिए 'परिभाषित लाभ' सुनिश्चित करने के लिए, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पेंशन योजना में बदलाव किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को बाजार नीत अत्याचार (महंगाई) का सामना न करना पड़े।

हालांकि, प्रधानमंत्री ने कई मौकों पर देश के किसानों की सराहना की है और अकसर कृषक समुदाय द्वारा प्रदर्शित लचीलेपन की प्रशंसा की है, लेकिन लंबे वक्त से चली आ रही गारंटीशुदा कीमत की मांग पर विचार करने में कोई भी इच्छुक नहीं है। अगर सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए बाजार नीत महंगाई से निपटना मुश्किल हो रहा है, तो स्पष्ट कर दें कि बाजार नीत महंगाई किसान के लिए भी उतनी ही बड़ी समस्या है। अगर कर्मचारियों को एक सुनिश्चित पेंशन की जरूरत पड़ती है, तो किसान को भी सुनिश्चित कीमत की जरूरत है। दुनिया में कहीं भी बाजार ने किसानों के लिए उच्च आय सुनिश्चित नहीं की है। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में, या तो सब्सिडी देकर आय में घाटे की भरपाई की जाती है (चीन कृषि सब्सिडी प्रदान करने में शीर्ष पर उभरा है) या फिर कृषि को अपनी सुविधानुसार बाजार की ताकतों के रहमो-करम पर छोड़ दिया जाता है, मसलन, भारत में। जैसा कि कुछ अध्ययनों से पता चला है, निष्कर्ष केवल यह है कि भारतीय किसान आय पिरामिड के निचले स्तर पर है, बल्कि पिछले लगभग 25 वर्षों से वे हर साल घाटा उठा रहे हैं।

किसानों को कभी खत्म न होने वाली गरीबी से बाहर निकालने का एकमात्र कारगर ढंग है कृषि कीमतों की गारंटी कानूनी रूप से बाध्यकारी तंत्र बनाकर सुनिश्चित करना। परंतु इसकी परवाह न करते हुए, एनडीए सरकार ने कुछ साल पहले सुप्रीम कोर्ट में पेश एक शपथपत्र में कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) गारंटी देने वाला कानून बाजार में 'बिगाड़ ला देगा'। अजीब बात यह है कि जब किसानों की बात आती है, तो नीति निर्माता 'बाजार में बिगाड़' का वास्ता देकर और सुनिश्चित कृषि कीमतों से महंगाई पर आगे असर का हौवा खड़ा कर देते हैं। कर्मचारियों के मामले में सुनिश्चित पेंशन से किसी को कोई दिक्कत नहीं है, उनके मामले में, 'बाजार में बिगाड़' का डर अचानक गायब हो जाता है। जब मुख्यधारा के अर्थशास्त्री मानते हैं कि कानूनन एमएसपी से उपभोक्ता कीमतें बढ़ेंगी और इस तरह 'बाजार में बिगाड़' होगा, तो वास्तव में, यह कॉर्पोरेट मुनाफे को कम करता है और इसीलिए हो-हल्ला मचता है।

अजीब बात यह है कि मुक्त बाजार के हामी इन अर्थशास्त्रियों की यही नस्ल तब चुप रहती है जब अमेरिका में कॉर्पोरेट अपने उत्पाद की 'मूल्य वृद्धि' करते हैं - उपभोक्ताओं को नोच खाने के लिए कीमतों में बेजा बढ़ोतरी करते हैं। वास्तव में यह मूल्य विकृति है। अमेरिका में पहले से ही, कैलिफोर्निया, फ्लोरिडा और न्यूयॉर्क सहित 38 राज्यों ने ऐसे कानून बनाए हैं जो इस चलन को प्रतिबंधित करते हैं। उदाहरणार्थ, न्यूयॉर्क राज्य ने उन कंपनियों के खिलाफ कदम उठाया जिन्होंने महामारी के दौरान हैंड सैनिटाइजर की कीमतों में 400 प्रतिशत की वृद्धि की थी। और फिर भी, कई बाजार अर्थशास्त्री साफ नज़र आने वाली ऐसी बाजार विकृतियों पर अंकुश लगाने के उपायों को सोवियत शैली के मूल्य नियंत्रण की ओर वापसी करार देते हैं। बाजार के पक्ष में यह पूर्वाग्रह तब पैदा होता है जब किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की बारी आए, लेकिन तब नहीं जब कॉर्पोरेट ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए कीमतें बढ़ाते हैं। 'बाजार विकृति' पर यह दोगलापन किसानों को जीवनयापन की आय प्रदान करने की राह में अड़चन है। नि:संदेह, किसानों को देय सुनिश्चित कीमत के अनुसार बाजार अपने आप समायोजित हो जाएंगे। यह केवल खास किस्म की विचारधारा ही है, जो अड़ंगा लगा रही है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कॉर्पोरेट द्वारा अनाप-शनाप मूल्यवृद्धि पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया है, जो कोविड महामारी के बाद खाद्य और किराना वस्तुओं की कीमतों में आई 53 प्रतिशत वृद्धि के लिए अकेले जिम्मेदार है। रिपब्लिकनों ने उनके इस रुख को 'कम्युनिस्ट' ठहराया है। दक्षिणपंथी चाहे जो भी कहें, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है, जैसा कि कुछ अर्थशास्त्री भी स्वीकारते हैं कि बेजा मूल्यवृद्धि पर अंकुश अच्छी अर्थव्यवस्था के साथ-साथ अच्छी राजनीति भी है। हैरिस ने उन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई का वादा किया है जो खाद्य कीमतों को कृत्रिम रूप से ऊंचा रख रही हैं। वापस कर्मचारियों की पेंशन पर लौटते हुए, यह देखना दिलचस्प है कि व्यय विभाग इस निर्णय को सही ठहराने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है, इसे 'राजकोषीय रूप से विवेकपूर्ण' करार देते हुए दावा किया जा रहा है कि 'यह नागरिकों की भावी पीढ़ियों को वित्तीय कठिनाई से बचाएगा'।

सर की खुजली दूर करने के लिए करें ये उपाय

बारिश का मौसम गर्मी से राहत तो दिलाता है, लेकिन वो अपने साथ तमाम तरह की परेशानियां भी लेकर आता है। अगर इस मौसम में स्वास्थ्य का ध्यान सही से न रखा जाए तो कई परेशानियां पैदा हो सकती हैं। स्वास्थ्य के साथ-साथ बारिश के मौसम में त्वचा संबंधी भी कई परेशानियां सामने आने लगती हैं। दरअसल, इस मौसम में वातावरण में काफी चिपचिपाहट होने लगती है, जिसकी वजह से कई बार फंगल इंफेक्शन जैसी परेशानी का सामना करना पड़ता है। फंगल इंफेक्शन की वजह से सिर पर खुजली काफी बढ़ जाती है। अगर सिर की खुजली को सही वक्त पर रोका न जाए तो ये आपको काफी हद तक परेशान कर सकती है। बार-बार सिर खुजलाने से आपको शर्मिंदगी का सामना भी करना पड़ सकता है। कुछ चीजों का इस्तेमाल करके सिर की खुजली दूर कर सकते हैं।

टी ट्री ऑयल

बाजार में आपको टी ट्री ऑयल आसानी से मिल जाएगा। इसमें पाए जाने वाले एंटीफंगल और एंटीसेप्टिक गुण सिर की खुजली को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसका इस्तेमाल शैंपू में मिला कर करें। ये सिर की खुजली से राहत दिलाएगा।

नीम का तेल

नीम के बारे में तो हर कोई ही जानता है कि इसमें कई ऐसे एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जोकि कई परेशानियों से राहत दिलाते हैं। ऐसे में आप भी इस तेल हल्का गर्म करके स्कैल्प पर मालिश करें और कुछ समय के लिए छोड़ दें। थोड़ी देर बार सिर को सादे पानी से धो लें।

सिरका

खाने में इस्तेमाल किया जाने वाला सेब का सिरका फंगस को खत्म करने में मदद करता है। इसका इस्तेमाल आप पानी में मिलाकर कर सकते हैं। पानी में सिरका डालकर फिर इसे रुई की मदद से स्कैल्प पर लगाएं। इससे फंगस और बैक्टीरिया को मारने में मदद मिलती है और खुजली कम होती है।

नारियल तेल

सिर की खुजली दूर करने में नारियल का तेल सबसे ज्यादा मदद करता है। इसके इस्तेमाल के लिए आपको बस नियमित रूप से तेल से सिर की मालिश करनी है। इससे भी सिर की खुजली काफी कम हो जाएगी।

बेकिंग सोडा

आपकी रसोई में आपको बेकिंग सोडा आसानी से मिल जाएगा। इसका इस्तेमाल काफी आसान है। इसे स्कैल्प पर लगाने के लिए बस बेकिंग सोडा को पानी में मिलाकर पेस्ट बनाएं और स्कैल्प पर लगाएं। कुछ समय के लिए छोड़ दें और फिर धो लें। यह डेड स्किन सेल्स को हटाने में मदद करता है, जिससे खुजली भी अपने आप कम हो जाती है। यह घर में आसानी से मिलने वाली चीज है।

एलोवेरा

हर घर में आपको आसानी से एलोवेरा मिल जाएगा। एलोवेरा खुजली की समस्या को चुटकियों में हल कर सकता है। दरअसल एलोवेरा को विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन ई, विटामिन बी और फॉलिक एसिड का अच्छा सोर्स माना जाता है इसका इस्तेमाल भी काफी आसान होता है। इसके इस्तेमाल के लिए एलोवेरा जेल को सिर पर लगाकर आधे घंटे के लिए छोड़ दें और फिर हल्के शैंपू से धो लें। यह स्कैल्प को ठंडक पहुंचाता है और खुजली को कम करता है।

हंसना मना है

पुराने छात्रों के मिलन समारोह में अध्यापक ने सभी छात्रों से पूछा, इस स्कूल में आपका कोई कड़वा अनुभव? एक छात्र बोला, मैं और मेरी वाइफ इसी स्कूल में मिले थे।

पत्नी-'मैं तुमसे जो भी कहती हूं आप एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल देते हो।' पति-'किन्तु मैं जो कहता हूं आप उसे दोनों कानों से सुनकर मुंह से निकाल देती हो।'

सुरेश-'अरे प्रकाश! हाथ में चोट कैसे लगी।' प्रकाश-'मैंने गाय के दांत गिनने के लिए उसके मुंह में हाथ डाला। उसने मेरी उंगली गिनने के लिए मुंह बन्द कर लिया।'

एक इंसान (दूसरे इंसान से)-'आ जाओ, कुत्ते से डरो नहीं।' पहला व्यक्ति-'क्यों, आपका कुत्ता काटता नहीं?' दूसरा व्यक्ति-'यही देखने के लिए तो आपको बुलाया है।'

बुढ़िया (डॉक्टर से)-'दांत निकाल दीजिए।' डॉक्टर-'मुंह खोलो।' बुढ़िया-'लो, खोल दिया।' डॉक्टर-'थोड़ा एवं खोलो।'बुढ़िया ने सारा मुंह ऊपर किया। डॉक्टर-'थोड़ा एवं खोलो।' बुढ़िया (क्रोध में)-'क्या मुंह में बैठकर ही दांत निकालने का विचार है?

कहानी | शत्रु को मित्र कैसे बनाएं?

एक ने सपना देखा। उससे एक परोपकारी साधु कह रहा था बेटा! कल रात को तुम्हारी सांप काटने से मृत्यु हो जाएगी। वह सर्प अमुक पेड़ की जड़ में रहता है। वह पूर्व जन्म की शत्रुता का बदला लेना चाहता है। राजा ने अपनी आत्मरक्षा के लिए विचार करने लगा। उसने सोचा कि मधुर व्यवहार से बढ़कर शत्रु को जीतने वाला और कोई हथियार इस पृथ्वी पर नहीं है। शाम होते ही राजा ने उस पेड़ की जड़ से लेकर अपनी शय्या तक फूलों का बिछौना बिछवा दिया, सुगन्धित जलों का छिड़काव करवाया, मीठे दूध के कटोरे जगह जगह रखवा दिये और सेवकों से कह दिया कि रात को जब सर्प निकले तो कोई उसे किसी प्रकार कष्ट पहुंचाने की कोशिश न करें। रात को सांप अपनी बांबी में से बाहर निकला और राजा के महल की तरफ चल दिया। अपने लिए की गई स्वागत व्यवस्था को देख देखकर आनन्दित होता गया। कोमल बिछौने पर लेटता हुआ दूध पीता हुआ आगे बढ़ता गया। इस तरह क्रोध के स्थान पर सन्तोष और प्रसन्नता के भाव उसमें बढ़ने लगे। जैसे-जैसे वह आगे चलता गया, वैसे ही वैसे उसका क्रोध कम होता गया। राजमहल में जब वह प्रवेश करने लगा तो देखा कि प्रहरी और द्वारपाल सशस्त्र खड़े हैं, परन्तु उसे जरा भी हानि पहुंचाने की चेष्टा नहीं करते। यह असाधारण सी लगने वाले दृश्य देखकर सांप के मन में स्नेह उमड़ आया। सद्व्यवहार, नम्रता, मधुरता के जादू ने उसे मंत्रमुग्ध कर लिया था। कहां वह राजा को काटने चला था, परन्तु अब उसके लिए अपना कार्य असंभव हो गया। हानि पहुंचाने के लिए आने वाले शत्रु के साथ जिसका ऐसा मधुर व्यवहार है, उस धर्मात्मा राजा को काटूं तो किस प्रकार काटूं? यह प्रश्न के चलते वह दुविधा में पढ़ गया। राजा के पलंग तक जाने तक सांप का निश्चय पूरी तरह से बदल दिया। उधर समय से कुछ देर बाद सांप राजा के शयन कक्ष में पहुंचा। सांप ने राजा से कहा, राजन! मैं तुम्हें काटकर अपने पूर्व जन्म का बदला चुकाने आया था, परन्तु तुम्हारे सौजन्य और सद्व्यवहार ने मुझे परास्त कर दिया। अब मैं तुम्हारा शत्रु नहीं मित्र हूं। मित्रता के उपहार स्वरूप अपनी बहुमूल्य मणि मैं तुम्हें दे रहा हूं। लो इसे अपने पास रखो। इतना कहकर और मणि राजा के सामने रखकर सांप चला गया।

शिक्षा- अतः व्यक्ति व्यवहार कुशल है तो वो सब कुछ पा सकता है जो पाने की वो हार्दिक इच्छा रखता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृषभ — मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

मिथुन — किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। भागदौड़ रहेगी। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार में अधिक ध्यान देना पड़ेगा।

कर्क — जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। मित्रों से मेलजोल बढ़ेगा। नए संपर्क बन सकते हैं। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी।

सिंह — आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं।

कन्या — नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। काफी समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं।

तुला — प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। कार्य पर ध्यान दें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

वृश्चिक — यात्रा लाभदायक रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। वस्तुएं संभालकर रखें। कोई राजकीय बाधा हो सकती है।

धनु — रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार में वृद्धि से संतुष्टि रहेगी।

मकर — परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

कुम्भ — सुख के साधनों पर व्यय सोच-समझकर करें। निवेश करने से बचें। व्यापार ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मीन — नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा।

कंगना की 'इमरजेंसी' की रिलीज डेट टली

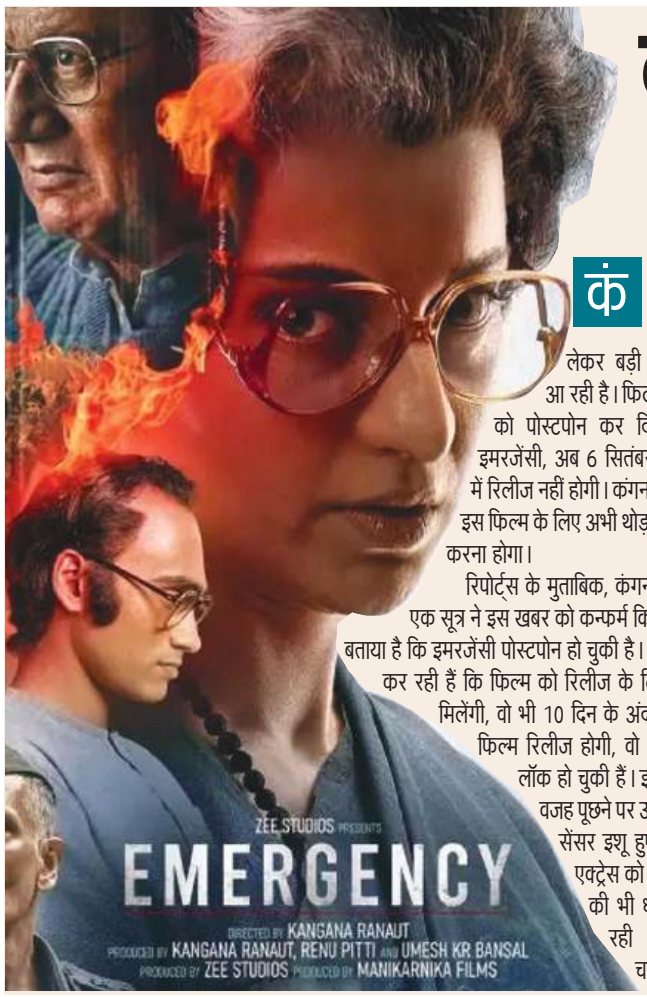

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। फिल्म की रिलीज को पोस्टपोन कर दिया गया है। इमरजेंसी, अब 6 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज नहीं होगी। कंगना के फैन्स को इस फिल्म के लिए अभी थोड़ा और इंतजार करना होगा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंगना की टीम के एक सूत्र ने इस खबर को कन्फर्म किया है। उन्होंने बताया है कि इमरजेंसी पोस्टपोन हो चुकी है। कंगना उम्मीद कर रही हैं कि फिल्म को रिलीज के लिए नई डेट्स मिलेंगी, वो भी 10 दिन के अंदर। जिस दिन फिल्म रिलीज होगी, वो डेट्स वैसे तो लॉक हो चुकी हैं। इसके पीछे की वजह पूछने पर उन्होंने कहा कि सेंसर इशू हुए हैं, साथ ही एक्ट्रेस को जान से मारने की भी धमकियां मिल रही हैं। कंगना चाहती हैं कि फिल्म अब जल्द से जल्द रिलीज हो। एक सूत्र ने बताया कि अभी तक कोई सर्टिफिकेशन भी फिल्म को नहीं मिला है। इसलिए कंगना ने बीते दिन 31 अगस्त को सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें उन्होंने अपनी बात रखी थी। फिल्म के मेकर्स को ऑनलाइन तौर पर ये सर्टिफिकेशन अबतक इशू नहीं हुआ है इसलिए मेकर्स और सेंसर के बीच सोच को लेकर डिफरेंस देखा जा रहा है।

बता दें कि कंगना रनौत अपनी फिल्म इमरजेंसी के प्रमोशन में कोई कमी नहीं छोड़ रहीं। वो सभी मीडिया हाउसेस को जाकर इंटरव्यू दे रही हैं। अपनी बात खुलकर रखती नजर आ रही हैं। पर जैसे-जैसे फिल्म की रिलीज की डेट करीब आ रही थी, कंगना को परेशानियां झेलनी पड़ रही थीं। शिरोमणि अकाली दल की दिल्ली इकाई ने भी फिल्म के खिलाफ मोर्चा खोला था। दल की दिल्ली इकाई के प्रेजिडेंट ने फिल्म को लेकर सेंसर बोर्ड और कंगना के प्रोडक्शन हाउस को नोटिस भेजा था। नोटिस में कहा गया था कि कंगना रनौत सिख विरोधी रेटोरिक के लिए कुख्यात हैं और उन्होंने सिख समुदाय को निशाना बनाने के लिए इमरजेंसी का सब्जेक्ट चुना है। इसी के साथ फिल्म की सेंसर सर्टिफिकेट रद्द करने की भी उन्होंने मांग की थी। कंगना ने जो वीडियो शेयर किया था, उसमें कहा था- कई तरह की अफवाहें उड़ रही हैं कि हमारी फिल्म इमरजेंसी को सेंसर सर्टिफिकेट मिल गया है। ये सच नहीं है। असल में हमारी फिल्म क्लियर हो गई थी लेकिन उसका सर्टिफिकेट रोक लिया गया है, क्योंकि बहुत ज्यादा धमकियां आ रही हैं जान से मारने की हमें और सेंसर वालों को। तो हमारे ऊपर ये प्रेशर हैं कि मिसेज गांधी की हत्या को न दिखाएं। भिंडरावाले को भी न दिखाएं। पंजाब का दंगा न दिखाएं। मुझे नहीं पता कि फिर क्या दिखाएं कि फिल्म अचानक से ब्लैक आउट हो जाती है। ये मेरे लिए अविश्वसनीय वक्त है और मैं देश में इस वक्त जो हालात हैं उन्हें देखकर मुझे दुख महसूस हो रहा है।

शिखर पहाड़िया के साथ नजर आई जान्हवी कपूर

जान्हवी कपूर बॉलीवुड की उभरती हुई अभिनेत्रियों में से एक हैं। हर फिल्म के साथ उनकी अदाकारी में और अधिक गंभीरता नजर आ रही है। पिछली रिलीज फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही में अपने अभिनय से वह दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं। फिल्मों के अलावा जान्हवी अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी अक्सर सुर्खियां बटोरती दिखती हैं। हाल ही में अभिनेत्री को मुंबई के बांद्रा इलाके में स्थित एक डबिंग स्टूडियो में देखा गया। इस दौरान उनके साथ उनके खास दोस्त शिखर पहाड़िया और बहन खुशी कपूर भी नजर आईं। स्टूडियो से बाहर निकलते समय वहां पहले से मौजूद फोटोग्राफरों के कैमरों में तीनों की तस्वीरें कैद हो गईं। कैजुअल लुक में जान्हवी बेहद खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने चश्मा भी लगाया हुआ था, जो उनकी खूबसूरती को और अधिक बढ़ा रहा था, जबकि उनकी बहन खुशी सफेद टॉप और काले पैंट में सादगी भरे अंदाज में नजर आईं। वहीं, शिखर पहाड़िया भी कैजुअल लुक में ही दिखे। सिर पर बैंड लगाकर वह काफी कूल नजर आ रहे थे।

डबिंग स्टूडियो से बाहर निकलते ही तीनों तुरंत कार में बैठकर वहां से निकल गए। कार के अंदर जान्हवी और शिखर किसी बात को लेकर खिलखिलाते हुए भी दिखे।

वर्कफ्रंट की बात करें तो जान्हवी जल्द ही देवरा-पार्ट वन के जरिए तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म में वह जूनियर एनटीआर के साथ नजर आएंगी। कोरतल्ला शिवा के निर्देशन में बनी इस फिल्म का हाल ही में एक गाना रिलीज किया गया था, जिसमें जान्हवी ने अपनी अदाओं से इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया था।

बॉलीवुड | मन की बात

रानी मुखर्जी को देखते ही डायलॉग भूल गई थी मैं : शरवरी वाघ

शरवरी वाघ अपनी फिल्मों को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। साथ ही वह सोशल मीडिया पर भी काफी चर्चा में रहती हैं। अभिनेत्री ने कई बड़ी और सफल परियोजनाओं का हिस्सा रही हैं। इस साल वह 'मुंज्या', 'महाराज' और 'वेदा' जैसी फिल्मों का हिस्सा बनीं। साल 2021 में, उन्होंने 'बंटी और बबली 2' में सैफ अली खान, सिद्धांत चतुर्वेदी और रानी मुखर्जी के साथ स्क्रीन साझा किया था। हाल ही में शरवरी ने एक बातचीत में बताया कि इस फिल्म के सेट पर जब रानी मुखर्जी आईं तो शरवरी अपने डायलॉग ही भूल गई थीं। कर्ली टेल्स के साथ बातचीत में जब शरवरी से पूछा गया कि क्या उन्हें कभी किसी बड़े सेलिब्रिटी के सामने अपने डायलॉग याद रखने में कठिनाई हुई है। इस पर शरवरी ने 'बंटी और बबली 2' के शूटिंग के दौरान को याद करते हुए एक सीन के बारे में बताया, जिसमें वह सैफ अली खान के साथ नाश्ते की मेज पर बैठी है और रानी को अंदर जाकर उनसे बात करनी है। अभिनेत्री ने बताया कि रानी मुखर्जी ने अंदर प्रवेश किया वह अपनी लाइनें भूल गईं। हालांकि, सेट पर कैमरे में कुछ समस्या की वजह से उन्हें रीटेक करना पड़ा। इसलिए, किसी को पता नहीं चला की वह अपने डायलॉग भूल गई थीं। अभिनेत्री ने कहा, 'मैं उस वक्त इतनी हैरान थी कि मुझे याद ही नहीं रहा कि मेरा डायलॉग क्या था।' हालांकि शरवरी इन दिनों आलिया भट्ट के साथ अपनी आगामी जासूसी फिल्म 'अल्फा' की शूटिंग में व्यस्त हैं। हाल ही में अभिनेत्री को आलिया भट्ट के साथ देखा गया। दोनों अभिनेत्रियों ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से फिल्म के सेट से पहली तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में जंगल और नदी के बीच में दोनों एक साथ खड़ी नजर आ रही हैं। बाहों में बाहें डाले आलिया और शरवरी अपने हाथों से हार्ट इमोजी बनाती दिख रही हैं। प्रशंसक अपने पसंदीदा सितारों की इस फिल्म का बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि इस स्पाई यूनिवर्स में शाहरुख खान की पठान, सलमान खान की टाइगर और ऋतिक रोशन की वॉर शामिल हैं।

खुद को 200 बार जहरीले सांपों से कटवा चुका है शख्स, फिर भी नहीं हुई मौत

अगर किसी के सामने सांप आ जाए तो उस शख्स के पसीने छूट जाते हैं। वहीं अगर कोई जहरीला सांप किसी को काट ले तो थोड़ी देर में उसकी मौत हो जाती है। लेकिन इस दुनिया में एक ऐसा इंसान भी है, जिस पर किसी भी सांप के जहर का असर नहीं होता। यहां तक कि इस इंसान पर किंग कोबरा के काटने का भी असर नहीं होता। अब तक यह व्यक्ति खुद को 200 से अधिक जहरीले सांपों से कटवा चुका है। सांप के जहर का इस पर कोई असर नहीं होता। इस शख्स का नाम टिम फ्रिडे है और बेहद खतरनाक जहरीले सांपों से कटाने की अपनी इच्छा के लिए काफी पॉपुलर हो चुका है। 53 वर्षीय टिक फ्रीडे अमरीका के विस्कॉन्सिन में रहता है। टिम ने अपने घर में कई तरह के खतरनाक सांप पाल रखे हैं। सबके चौंकाने वाली बात यह कि जहरीले सांपों ने टिम को 200 से ज्यादा बार काटा है, लेकिन वो अभी तक जिंदा हैं। टिम को काटने वाले सांपों में सबसे खतरनाक प्रजाति के मांबा और कोबरा भी शामिल हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि है टिम खुद जहरीले सांपों से कटवाते हैं, ताकि फर्स्ट यूनिवर्सल एंटी-वेनम बनाने में मदद की जा सकें। आमतौर पर टिम को एक सांप के काटने का असर उन पर नहीं होता था। हालांकि एक बार उनकी स्थिति वर्ष 2001 में उस वक्त बिगड़ गई थी, जब उन्हें एक साथ दो खतरनाक कोबरा सांपों ने काट लिया था। टिम ने एक बार नेशनल ज्योग्राफिक से बात करते हुए बताया था कि वर्ष 2001 में दो जहरीले कोबरा के काटने के बाद वह लगभग मौत के मुंह में चले गए थे। डॉक्टरों तक ने उनके जिंदा रहने की उम्मीद छोड़ दी थी। उन्होंने बताया कि दो कोबरा सांपों ने उन्हें एक घंटे के अंदर एक के बाद एक काट लिया। टिम ने कहा, मैं लगभग मर गया था, यह मजेदार नहीं था। मेरे शरीर में एक सांप के जहर को झेलने की इम्युनिटी थी, लेकिन दो को नहीं, जिसके बाद 4 दिन तक कोमा में रहा। टिम के मुताबिक, जब वह अपने पालतू मिस्र के कोबरा को दूध पिला रहे थे, तो उसने टिम की उंगली पर काट लिया। इसके एक घंटे बाद एक और कोबरा ने उनकी दाहिनी बाइसप पर काट लिया। इस घटना के अनुभव के बाद उन्होंने सांपों के साथ ही काम करने का फैसला कर लिया। अब टिम कैलिफोर्निया टीकाकरण अनुसंधान कंपनी सेंटिवैक्स में हर्पेटोलॉजी के निदेशक हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अपनी रिसर्च के लिए टिम ने स्वेच्छा से 200 से अधिक बार जहरीले सांपों से कटवा चुके हैं। आमतौर पर उनके दाहिने बाइसेप्स पर, क्योंकि वह सभी सांपों के काटने का इलाज करने के लिए एक यूनिवर्सल एंटी-वेनम खोजने की कोशिश कर रहे हैं।

अजब-गजब | हर साल कुत्ते ऐसे करते हैं करोड़ों की कमाई!

इंसान नहीं बल्कि इस गांव में कुत्ते हैं करोड़पति

आपने लोगों को करोड़पति बनते देखा होगा। गांवों में जमींदार होते हैं। इनके पास काफी जमीनें और पैसा होता है। लेकिन एक जगह ऐसे जमींदार भी हैं, जिनके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। ये खास तरह के जमींदार हैं। ये खास तरह के जमींदार गुजरात के मेहसाणा स्थित पंचोट गांव में हैं। दरअसल, ये जमींदार कोई इंसान नहीं बल्कि कुत्ते हैं। इस गांव के कुत्ते करोड़पति हैं। यह बिल्कुल सच है। मेहसाणा स्थित पंचोट गांव के कुत्ते हर साल करोड़ों कमाते हैं।

इस गांव में पिछले करीब एक दशक से जमीनों के दाम आसमान छूने लगे हैं। मेहसाणा बाईपास बनने के बाद से यहां की जमीनों के दाम आसमान छू रहे हैं। इसका सबसे बड़ा फायदा यहां के कुत्तों को हुआ। दरअसल, 'मढ़ नी पती कुतरिया ट्रस्ट' के पास गांव की 21 बीघा जमीन है। इस जमीन से होने वाली आय कुत्तों के नाम कर दी जाती है। रिपोर्ट के अनुसार, बाईपास के पास होने की वजह से इस जमीन की कीमत करीब 3.5 करोड़ रुपए प्रति बीघा है। वहीं इस ट्रस्ट के पास करीब 70 कुत्ते हैं। ऐसे में हर कुत्ते के हिस्से में लगभग एक-एक करोड़ रुपए आते हैं। इस ट्रस्ट के अध्यक्ष छगनभाई पटेल का कहना है कि कुत्तों में

ट्रस्ट का हिस्सा बांटने की परंपरा की जड़ गांव की सदियों पुरानी 'जीव दया' प्रथा से जन्मी है, जो आज तक चलती आ रही है। साथ ही उन्होंने बताया कि इस परंपरा की शुरुआत अमीर परिवारों ने की, जो दान दिए गए जमीन के छोटे-छोटे टुकड़ों से आरम्भ हुई थी। हालांकि, उस समय जमीनों की कीमत इतनी अधिक नहीं थी।

बताया जाता है कि कई मामलों में तो लोगों ने टैक्स न चुका पाने की स्थिति में जमीन दान कर दी। इस जमीन का रख-रखाव पटेल किसानों के एक समूह ने करीब 70-80 साल पहले शुरू किया था, जो आज तक जारी है। ट्रस्ट के पास लगभग 70 साल पहले यह जमीन आई थी। समय के साथ जैसे-जैसे गांव का विकास होता गया जमीन के दाम बढ़ने लगे। इन दान की गई जमीनों से होने वाली कमाई का उपयोग गांव में मौजूद कुत्तों और अन्य जानवरों की देख-रेख करने के लिए किया जाता है।

देश संविधान से चलेगा, सत्ता के चाबुक से नहीं : राहुल गांधी

» बुलडोजर कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी को सराहा

» कहा- भाजपा बुलडोजर नीति पर बेनकाब हुई

» राहुल की सामग्री पाकर खूशी से झूमे मोची रामचेत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुलडोजर एक्शन मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी की सराहना की। उन्होंने कहा कि मानवता और न्याय को बुलडोजर के नीचे कुचलने वाली भाजपा का संविधान विरोधी चेहरा बेनकाब हो गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर राहुल ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि इस मामले में कोर्ट निर्देश जारी कर भाजपा सरकारों के लोकतंत्र विरोधी अभियान से जनता की रक्षा करेगा।

देश बाबा साहब के संविधान से चलेगा, सत्ता के चाबुक से नहीं। दरअसल, सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में देशभर में आरोपियों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई पर सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कोई सिर्फ आरोपी है तो प्रॉपर्टी गिराने की कार्रवाई कैसे की जा सकती है? जस्टिस विश्वनाथन और जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने कहा,अगर कोई दोषी भी हो, तब भी ऐसी कार्रवाई नहीं की जा सकती है। रामचेत अपनी गुमटी पर बैठे चप्पल बना रहे थे, अचानक एक लग्जरी कार आकर दुकान के सामने रूकी। गाड़ी से तीन लोग नीचे उतरे और चार गत्तों में भरे सामान उतारकर रामचेत के पास रख दिया। रामचेत ने पूछा, साहब! यह क्या है, मैं इसका क्या करूंगा। सामान लेकर आए एक व्यक्ति ने कहा कि राहुल गांधी ने यह सामान आपके लिए भेजवाया है। यह सुनते ही रामचेत भौचक्के रह गए। पैकेट खोला तो उनके खुशी का ठिकाना न रहा। उसमें सिलाई के सामान और जूता-चप्पल बनाने का कच्चा माल था। इसमें पफ चमड़ा (नंबर वन), रिपीट, सिलाई का सामान, सोल और पैताबा शामिल थे। बकौल रामचेत,इस सामान की कुल कीमत 50 हजार रुपए से अधिक है। इससे वह महिलाओं और पुरुषों दोनों के जूते और चप्पल तैयार कर सकते हैं।

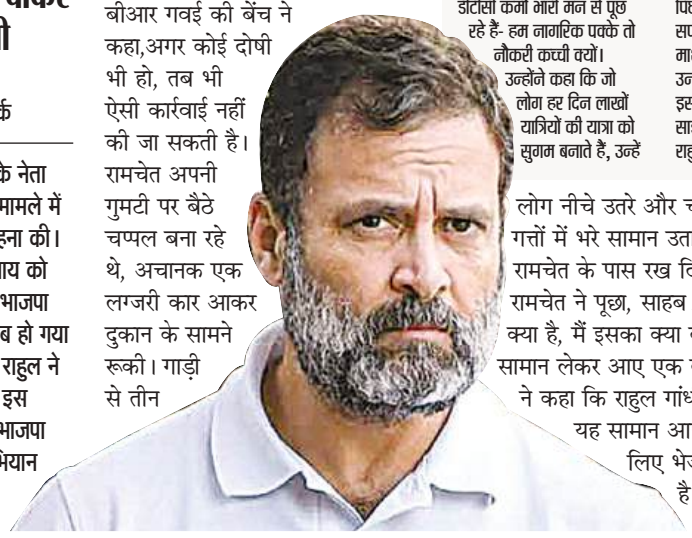

नेता प्रतिपक्ष ने डीटीसी बस में सफर कर जानीं कर्मियों की समस्याएं

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर दिल्ली की आप सरकार को घेरा। कहा कि डीटीसी कर्मी भारी मन से पूछ रहे हैं- हम नागरिक पक्के तो नौकरी कच्ची क्यों। उन्होंने कहा कि जो लोग हर दिन लाखों यात्रियों की यात्रा को सुगम बनाते हैं, उन्हें बदले में केवल अन्याय का सामना करना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि आप और कांग्रेस दोनों ही विपक्षी इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं। राहुल ने पिछले सप्ताह डीटीसी की बस में सफर कर ड्राइवर, कंडक्टर और मार्शल से बातचीत की और उनकी परेशानियां जानीं। उन्होंने इसका वीडियो सोशल मीडिया में साझा किया। एक लंबी पोस्ट में राहुल ने कहा, कुछ दिनों पहले दिल्ली में सुखद बस यात्रा के अनुभव के साथ डीटीसी कर्मचारियों की दिनचर्या और समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा, न सामाजिक सुरक्षा, न स्थिर आय और न ही स्थायी नौकरी। ठेके पर मजदूरी ने बड़ी जिम्मेदारी के काम को मजबूरी के मुकाम पर पहुंचा दिया है। ड्राइवर-कंडक्टरों को अनिश्चितता के अंधेरे में जीने को मजबूर किया जा रहा है।

महाराष्ट्र का माहौल खराब करना चाहती है भाजपा : कांग्रेस

» विधायक नितेश राणे के विवादित बोल पर बवाल

» मुंबई पुलिस आयुक्त से की शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। विवादास्पद भाजपा नेता और महाराष्ट्र विधायक नितेश राणे ने एक बार फिर भड़काऊ भाषण देकर विवाद खड़ा कर दिया है, जहां उन्होंने मुस्लिम समुदाय को धमकी दी है। कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने कल अहमदनगर जिले के श्रीरामपुर और तोपखाना पुलिस क्षेत्राधिकार में दो अलग-अलग मौकों पर भड़काऊ भाषण देने के लिए भाजपा विधायक नितेश राणे के खिलाफ मुंबई पुलिस आयुक्त विवेक फणसलकर से मुलाकात की।

कांग्रेस नेताओं ने उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस विधायक अमीन पटेल ने कहा कि मुंबई और महाराष्ट्र का माहौल खराब करने की कोशिश की जा रही है। बीजेपी विधायक नितेश राणे का भड़काऊ बयान बेहद शर्मनाक है। उनकी पुलिस सुरक्षा हटाई जाए और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। दरअसल,1 सितंबर, रविवार को राणे ने हिंदू संत महंत रामगिरि महाराज के समर्थन में श्रीरामपुर और तोपखाना इलाकों में दो सार्वजनिक कार्यक्रमों को संबोधित किया। संत पर 14 अगस्त को नासिक जिले में एक धार्मिक कार्यक्रम में इस्लाम और पैगंबर मुहम्मद के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है। कार्यक्रम में बोलते हुए राणे ने चेतावनी दी कि अगर हिंदू संत को नुकसान पहुंचाया गया तो परिणाम भुगतने होंगे। भीड़ द्वारा जयकारे लगाते हुए भाजपा विधायक ने कहा कि अगर तुमने हमारे रामगिरि महाराज को नुकसान पहुंचाने की हिम्मत की, तो हम तुम्हारी मस्जिद में घुस जाएंगे और तुम्हें मार डालेंगे। अहमदनगर पुलिस ने राणे के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की हैं। पुलिस ने बताया कि बीजेपी विधायक ने अहमदनगर में सकल हिंदू समाज के आंदोलन में हिस्सा लिया और वहां भाषण दिया। पुलिस कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी विधायक ने कहा, कल मैं अहिल्यानगर (अहमदनगर) और श्रीरामपुर में था। वहां हम महंत रामगिरि महाराज जी के समर्थन में आये। उनके द्वारा दिये गये बयान में कुछ भी नया नहीं था। मैं आपको कम से कम 10 मुस्लिम विद्वानों के बयान दिखा सकता हूं जिन्होंने पहले ही उस तथ्य का उल्लेख किया है जो रामगिरि महाराज जी ने कहा है।

सुल्तानपुर पुलिस ने किया छह दिन बाद लूट की घटना का पर्दाफाश

» पुलिस मुठभेड़ में घायल हुए तीन लुटेरे, एक सिपाही को भी लगी गोली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। सप्ताह भर पहले शहर के व्यस्ततम इलाके ठठेरी बजार में भरत ज्वेलर्स पर हुई लूट की घटना ने जिले समेत पूरे प्रदेश को हिला दिया था। आई जी जहां लगातार कैंप करते रहे और एडीजी जोन भी मौके पर पहुंचे और सुल्तानपुर पुलिस को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वहीं दूसरी तरफ घटना का पूरी तरह से राजनीतिकरण भी हुआ विपक्ष ने जम कर मौके को भुनाया और सत्तापक्ष के माननीय भी पीड़ित भी व्यापारी को ढांढस बंधवाते एवं आश्वाशन देते नजर आये।

घटना के छः दिन बाद पुलिस ने घटना का खुलासा किया और आज तड़के मुठभेड़ में तीन लुटेरों को गिरफ्तार किया इस कार्यवाही के दौरान पुलिस का एक सिपाही भी घायल हुआ।

बारह लोगो ने इस लूटकांड में शामिल होने की जानकारी

पूछताछ में लुटेरों ने कुल बारह लोगो ने इस लूटकांड में शामिल होने की जानकारी दी। वही यह भी पता चला की इस घटना की योजना इनके द्वारा कई हफ्तों ने बनायी जा रही थी और मोटरसाइकिल भी चोरी करके लायी गयी थी। पुलिस के खुलासे से पीड़ित व्यापारी भरत सोनी संतुष्ट है।उन्होंने कहा कि जो आंशिक माल पुलिस द्वारा बरामद किया गया है वह उन्ही का है। पुलिस द्वारा अभी और माल की बरामदगी का आश्वाशन दिया जा रहा है।

ओडिशा में सांप्रदायिकता फैला रही है बीजेपी : नवीन पटनायक

» भाजपा सरकार पर निशाना साधा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्वर। ओडिशा में सांप्रदायिक घटनाओं को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए विधानसभा में विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने कहा कि राज्य शांति एवं सद्भाव के लिए जाना जाता है। विधानसभा में, गृह विभाग के लिए अनुदान मांग पर चर्चा के दौरान पटनायक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने के बाद से राज्य में कई सांप्रदायिक घटनाएं हुई हैं।

इस सरकार के सत्ता में आने के कुछ समय बाद ही सांप्रदायिक घटना हुई, बालासोर जिला और राज्य के अन्य हिस्सों में भी कई सांप्रदायिक घटनाएं हुईं। हाल में खुर्दा जिले में एक सांप्रदायिक घटना हुई जिसमें एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि ओडिशा सांप्रदायिक शांति एवं सद्भाव के लिए जाना जाता है तथा इसे हर कीमत पर बनाकर रखा जाना चाहिए। पटनायक ने यह भी दावा किया कि सरकार ने राज्यपाल रघुबर दास के बेटे के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की, जिसने पुरी में रथ यात्रा के दौरान एक अधिकारी पर कथित तौर पर हमला किया और उसे अपमानित किया। क्या राज्यपाल, मंत्री, सांसद या विधायक के बेटे होने का मतलब यह है कि उसे अभियोजन से छूट प्राप्त है और यदि ऐसा है तो ओडिशा के लोगों को बताया जाए कि कुछ लोग कानून से ऊपर हैं।

पैरालंपिक: सुमित का जलवा, दूसरी बार फिर जीता स्वर्ण

» अब तक भारत की झोली में 14 मेडल आए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पेरिस। भारतीय पैरा खिलाड़ियों की जितनी तारीफ हो उतनी कम है। हर खिलाड़ी एक से बड़कर एक है। अपनी शारीरिक कमियों को दरकिनार कर पेरिस पैरालंपिक 2024 में पूरी दुनिया के सामने अपना लोहा मनवा रहे हैं। पैरालंपिक 2024 के पांचवें दिन भारत की झोली में 14 मेडल आ चुके हैं, वहीं भारत को 14वां मेडल गोल्ड मेडल के रूप में दिलाया है जैवलिन स्टार एथलीट सुमित अंतिल ने। सुमित ने मेंस जैवलिन थ्रो एफ64 कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता है। इसके साथ ही सुमित ने अपने दूसरे प्रयास में 70.59 मीटर दूर भाला फेंककर एक नया रिकॉर्ड भी बना दिया है। वहीं सुमित के बाद श्रीलंका के डुलान कोडिथुवाक्कू ने दूसरा स्थान 67.03 थ्रो के साथ हासिल किया। जिसके बाद उन्होंने सिल्वर मेडल जीता। वहीं ऑस्ट्रेलिया के मिचाल बुरियन (64.89 मीटर) ने तीसरा स्थान हासिल कर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। हालांकि, भारत के ही अन्य एथलीट संदीप चौधरी (62.80 मीटर) चौथे स्थान पर रहे।फिलहाल, भारत का ये अब तक का तीसरा गोल्ड मेडल है। सुमित से पहले अवनि लेखरा ने शूटिंग में भारत को पहला गोल्ड मेडल दिलाया। वहीं बैडमिंटन खिलाड़ी नितेश कुमार ने देश को दूसरा गोल्ड दिलाया जबकि सुमित ने तीसरा गोल्ड भारत को दिलाया।

गोल्ड मेडल से चूके सुहास एल यथिराज

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी सुहास एल एथिराज गोल्ड मेडल से चूक गए जिसके बाद उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। बैडमिंटन की पुरुष सिंगल्स एसएल4 फाइनल में सुहास को फांस के लुकास माजुर के हाथों 9-21, 13-21 से हार झेलनी पड़ी। बता दें कि, सुहास एल यथिराज उत्तर प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। मौजूदा समय में वह उत्तर प्रदेश सरकार के युवा कल्याण और प्रांतीय रक्षक दल के सचिव और महानिदेशक के रूप में कार्यरत हैं। इससे पहले सुहास नोएडा और प्रयागराज के डीएम भी रह चुके हैं।

69000 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों का प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी

» मंत्री आशीष पटेल के आवास का किया घेराव प्रदर्शन के दौरान एक अभ्यर्थी बेहोश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 69000 शिक्षक भर्ती में हाईकोर्ट के आदेश के अनुरूप नियुक्ति की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने यूपी सरकार के मंत्री आशीष पटेल और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों की मांग है कि नियुक्ति की सूची जल्द जारी की जाए और ओबीसी अभ्यर्थियों को उनका हक मिले।

मंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन के दौरान एक अभ्यर्थी बेहोश भी हो गई।अभ्यर्थियों ने यह भी मांग की है कि पहले जिन अधिकारियों ने सूची बनाई थी उन्हें हटाया जाए और नई सूची बनाने का काम नये दूसरे अधिकारियों को दिया जाए। अपनी इन्हीं मांगों को लेकर अभ्यर्थी लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके पहले सोमवार को अभ्यर्थियों ने उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आवास का घेराव किया।

फोटो:4 पीएम

सदस्यता अभियान लखनऊ के विश्वेश्वरैया हॉल में भाजपा सदस्यता अभियान-2024 के अंतर्गत सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

फोटो: सुमित कुमार

सेना के हैरतअंगेज कारनामे देख सीएम भी रह गए हैरान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को मध्य कमान स्थित सूर्या खेल परिसर में सशस्त्र सैन्य समारोह का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में सेना के जवानों ने हैरतअंगेज कारनामे दिखाए। हेलीकॉप्टर से फुर्ती के साथ उतरकर कमांडो ने दुश्मन को निशाने पर ले लिया। कार्यक्रम में नाइट विजन कैमरा, ग्रेनेड, ड्रोन आदि का प्रदर्शन किया गया। खोजी कुत्तों ने भी सेना के जवानों के साथ कदमताल किया। जब घोड़े ने बुलेट को छलांग लगाकर पार कर दिया तो सबकी आंखे उन्हीं पर तनी रह गयी।

जातिगत जनगणना न करवाने की औकात किसी में नहीं : लालू

विदेश से लौटते ही ऐक्शन में दिखे राजद प्रमुख बोले- भाजपा व संघ से उठक बैठक करवाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने कहा कि अगर भाजपा जाति जनगणना का विरोध करती है, तो वह पार्टी और उसके मूल संगठन, आरएसएस के नेताओं को ऐसा करने के लिए उठक-बैठक करवाएंगे। लालू प्रसाद यादव जातीय जनगणना को आरएसएस के सशर्त समर्थन पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने सोमवार को केरल में अपनी तीन दिवसीय समन्वय बैठक के दौरान कहा कि वह विशिष्ट समुदायों के कल्याण के लिए जनगणना डेटा एकत्र करने के खिलाफ नहीं है। इसने राजनीतिक लाभ के लिए डेटा के उपयोग के प्रति भी आगाह किया।

अपने एक्स पोस्ट में लालू ने लिखा कि इन भाजपा/आरएसएस वाला का कान पकड़, दंड बैठक करा इनसे जातिगत जनगणना कराएंगे। इनका क्या औक़ात है जो ये जातिगत जनगणना नहीं करायेंगे? उन्होंने आगे लिखा कि इनको इतना मजबूर करेंगे कि इन्हें जातिगत जनगणना करना ही पड़ेगा। दलित, पिछड़ा, आदिवासी और गरीब का एकता दिखाने का समय अब आ चुका है। कांग्रेस ने भी जाति जनगणना पर उसके रुख के लिए आरएसएस की आलोचना की। इससे पहले सोमवार को पार्टी ने आरोप लगाया था कि आरएसएस ने जातिगत जनगणना का खुलकर विरोध किया है।

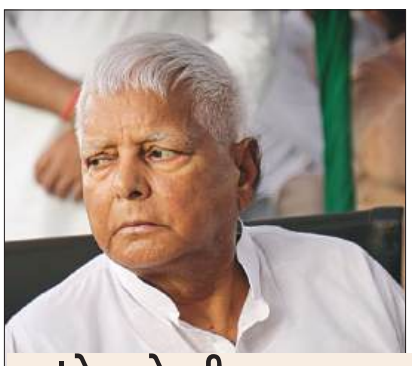

कांग्रेस ने की आरएसएस की आलोचना

कांग्रेस ने एक्स पर लिखा कि आरएसएस ने जातिगत जनगणना का खुलकर विरोध कर दिया है। आरएसएस का कहना है- जातिगत जनगणना समाज के लिए सही नहीं है। इस बयान से साफ है कि भाजपा और आरएसएस जातिगत जनगणना नहीं कराना चाहते। वे दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को उनका हक नहीं देना चाहते। लेकिन लिखकर रख लीजिए- जातिगत जनगणना होगी और कांग्रेस ये कराएगी।

बिहार के बाहुबली नेता आनंद मोहन को सुप्रीम कोर्ट से झटका

नई दिल्ली। बिहार के बाहुबली नेता और पूर्व सांसद आनंद मोहन की रिहाई मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा कदम उठाया है, कोर्ट ने आनंद मोहन को अपने पासपोर्ट तुरंत सरेंडर करने के आदेश दिए हैं, साथ ही हर 15 दिन में स्थानीय पुलिस के पास रिपोर्ट करने को भी कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने हलफनामा दाखिल नहीं करने पर केंद्र को भी फटकार लगाई और एक हफ्ते में हलफनामा दाखिल करने का आखिरी मौका दिया। 27 फरवरी को इस मामले की अगली सुनवाई होगी। ये याचिका गोपालगंज के तत्कालीन डीएम जी कृष्णैया की पत्नी उमा कृष्णैया की ओर से दायर की गई है। उमा कृष्णैया ने अपनी अर्जी में आरोप लगाया है कि बिहार सरकार ने 10 अप्रैल 2023 के संशोधन के जरिए पूर्वव्यापी प्रभाव से बिहार जेल नियमावली 2012 में संशोधन किया है। याचिकाकर्ता ने कोर्ट में कहा कि ये पूर्वव्यापी प्रभाव उचित और विधिसम्मत नहीं है। हालांकि बिहार सरकार ने कोर्ट से कहा है कि आनंद मोहन की रिहाई नियमों के तहत ही हुई है।

हंगामे के बीच सदन में कई प्रस्ताव पारित

नामांतरण शुल्क की दरों में होगा बदलाव, सदन ने लिया निर्णय, शासन की अनुमति के बाद लागू होंगी नई दरें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम में संपत्ति का नामांतरण कराने वालों के लिए राहत भरी खबर है। महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में सदन ने नामांतरण शुल्क कम करने का प्रस्ताव पास किया है। सदन में नगर आयुक्त की ओर से नामांतरण प्रक्रिया को समयबद्ध पूरा करने व नामांतरण शुल्क पुनरीक्षित किए जाने का प्रस्ताव रखा गया। इस पर कमेटी फैसला लेगी। इसके बाद शासन से मंजूरी मिलने के बाद कार्यकारिणी की हरी झंडी मिलने के बाद लागू किया जाएगा।

डॉ. अरविंद कुमार राव अपर नगर आयुक्त

बीते साल मुख्यमंत्री ने पारिवारिक संपत्तियों के बैनामे की फीस कम कर पांच हजार रुपये की थी। इसके बाद एलडीए व आवास विकास परिषद में नामांतरण शुल्क को घटा दिया गया, लेकिन नगर निगम ने कम नहीं किया था। प्रदेश में रिफार्म्स के तहत नगर निगम सदन के इस फैसले से भवन स्वामियों को बड़ी राहत मिलेगी। इसके अलावा सदन में हाउस टैक्स बिल में यूजर चार्ज को सम्मिलित करने, शहर में संचालित 10 तरह के कारोबार से लिया जाने वाला शुल्क में दो से पांच गुना तक की बढ़ोत्तरी व 20 अन्य व्यवसायिक कारोबार को भी ट्रेड लाइसेंस की श्रेणी में सम्मिलित किए जाने का प्रस्ताव रखा गया जिस पर कमेटी निर्णय करेगी।

ईईएसएल के मुद्दे पर धरने पर बैठे भाजपा पार्षद

महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में सदन की कार्यवाही शुरू हुई। पार्षदों ने अपने अपने वार्ड से संबधित समस्याओं को सदन में रखा। ज्यादातर पार्षदों ने सीवर, पेयजल, साफ सफाई, अतिक्रमण एवं सड़क इत्यादि से सम्बन्धित समस्याओं पर चर्चा की। इस दौरान कई बार जल निगम व ईईएसएल को लेकर हंगामा हो गया। पार्षद रंजीत सिंह व सुशील तिवारी ईईएसएल के काम न करने व करंट से तीन मौतों को लेकर सदन में ही धरने पर बैठ गए। चर्चा के लिए जिम्मेदार ईईएसएल को सदन के समक्ष पेश होने की मांग की गई। मगर संस्था का कोई कर्मचारी सदन में नहीं आया। निर्णय लिया गया कि ईईएसएल के कर्मचारी के न होने पर उन्हें कोई भुगतान नहीं किया जाएगा। साथ ही पीड़ित परिवार को 10 लाख रुपये का मुआवजा दिए जाने के निर्देश दिए गए।

विपक्ष ने किया विरोध

सदन की कार्यवाही के दौरान भाजपा पार्षद अनुराग मिश्रा अन्नू ने महापौर व नगर निगम प्रशासन पर क्रीमीलेयर के तहत लापरवाही का आरोप लगाते हुए इस्तीफा देने की धमकी दी। उन्होंने कहा पांच दिनों मे शिकायत न होने पर पार्षद पद से इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने कहा की समस्त 110 पार्षदों को एक नजर से देखा जाए। आरोप लगाया कि पार्षदों की एक क्रीमीलेयर बना दी गयी है। भेदभाव किया जा रहा है। इसलिए वे इस्तीफा लेकर आये हैं। हालांकि ऐसा कुछ नहीं था। इस पर कांग्रेस से पार्षद मुकेश चौहान, ममता चौधरी समेत सपा से यावर हुसैन रेशू और कामरान बेग ने इस मुद्दे पर सदन भाजपा पार्षदों को घेर लिया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।